**Climate Change Summit in Berlin**

4539. SHRIMATI MALTI SHARMA: Will the Minister of ENVIRONMENT AND FORESTS be pleased to state:

(a) what has been the outcome of the Climate Change Summit held in Berlin recently;

(b) what are the details of Indian agenda during summit;

(c) To what extent the deliberations of this summit fulfil the agreement reached during the Rio Earth summit; and

(d) What are the implications of the deliberations, for India?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF ENVIRONMENT AND FORESTS (SHRI KAMAL NATH): (a) The Conference of Parties to the Framework Convention on Climate Change at its first Session held during March 27-April 7, 1995 in Berlin considered and took decisions among others on Matters related to Commitments of Parties, Roles of Subsidiary Bodies established by the Convention, Joint Implementation, and Adequacy of Commitments to achieve the objectives of the Convention.

(b) The Indian Agenda on these issues was to protect and ensure the interests of India and other developing countries not to accept commitments on their part to reduce the green house gas emissions in accordance with the provisions of the Climate Change Convention.

(c) and (d) The principles agreed to at the Rio Earth Summit were reiterated and the spirit of the same has been reinforced for future deliberations.

The present status of deliberations do not effect the developmental goals of India.

**वनस्पतियों से औषधियां तैयार किया जाना**

4540. **श्री अनन्तराम जायसवाल :**
**श्री सत्य प्रकाश मालवीय :**

क्या पर्यावरण और वन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) देश में वर्तमान में विभिन्न वनस्पतियों से कितनी मात्रा में कितने प्रतिशत औषधियां हर वर्ष तैयार की जा सकती हैं ;

(ख) क्या यह सच है कि इस समय धरती से जीवजन्तुओं और वनस्पतियों का बड़ी तेजी से ह्रास हो रहा है ;

(ग) क्या यह भी सच है कि भविष्य में कटिबंधीय वन क्षेत्रों के गर्भ-स्थलों से भारी संख्या में वनस्पतियों और जीव-जातियां विलुप्त हो जाएंगी ;

(घ) यदि हां, तो इसके क्या कारण हैं तथा वनस्पतियों और जीव-जंतियों के विलुप्त होने से कितने उच्चतर पौधे और उनकी प्रजातियां प्रभावित होंगी और वर्तमान में प्रतिदिन कितनी प्रजातियां नष्ट हो रही हैं; और

(ङ) क्या सरकार ने इनके कारणों की जानकारी के लिए कोई सर्वेक्षण/अध्ययन कराया है, यदि हां, तो इस सर्वेक्षण/अध्ययन प्रतिवेदन का ब्यौरा क्या है और जीवजन्तुओं, वनस्पतियों समेत जव-विधिधता के अस्तित्व की रक्षा के लिए सरकार कौन से प्रभावकारी कदम उठाने पर विचार कर रही है ?

**पर्यावरण और वन मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री कमल नाथ)** : (क) अनुमान है कि औषधियों की आयुर्वेदक/यूनानी और सिद्ध पद्धति के तहत 80 से 90 प्रतिशत औषधियां पादप प्रजातियों से तैयार की जाती हैं ।